

# СОДЕРЖАНИЕ

|                                                   |     |
|---------------------------------------------------|-----|
| Умберто Эко. От мобильного телефона к истине..... | 7   |
| Предисловие.....                                  | 11  |
| Благодарности.....                                | 23  |
| 1. PERÌ MAIL.....                                 | 27  |
| 1.0. Мобильный фараона.....                       | 29  |
| 1.1. Разговаривать.....                           | 32  |
| 1.1.1. «Where-are-you?-mail».....                 | 32  |
| 1.1.2. Mobile ontology.....                       | 37  |
| 1.1.3. Бытие и сеть.....                          | 54  |
| 1.1.4. Теория объекта.....                        | 71  |
| 1.2. Писать.....                                  | 83  |
| 1.2.1. Телефон.....                               | 86  |
| 1.2.2. Имейл.....                                 | 93  |
| 1.2.3. Мобильный телефон.....                     | 106 |
| 1.2.4. Теория техники.....                        | 113 |
| 1.3. Регистрировать.....                          | 121 |
| 1.3.1. Наука коммуникации.....                    | 122 |
| 1.3.2. Теория регистрирования.....                | 134 |
| 1.3.3. Теория истины.....                         | 145 |
| 1.4. Конструировать.....                          | 166 |
| 1.4.1. Акты.....                                  | 172 |
| 1.4.2. Объекты.....                               | 180 |
| 1.4.3. Записи.....                                | 182 |
| 1.4.4. Конструирование социальной реальности..... | 188 |
| САТАНИНСКАЯ БУТЫЛКА.....                          | 190 |
| 2. СОЦИАЛЬНЫЕ ОБЪЕКТЫ.....                        | 193 |
| 2.0. Реализм и текстуализм.....                   | 195 |
| 2.1. Строгий реализм.....                         | 197 |
| 2.1.1. Шимпанзе и палка.....                      | 197 |
| 2.1.2. Реализм: за и против.....                  | 201 |
| 2.1.3. Покер Аристотеля.....                      | 206 |
| 2.2. Строгий текстуализм.....                     | 209 |

|                                                   |     |
|---------------------------------------------------|-----|
| 2.2.1. Луна Гирца.....                            | 209 |
| 2.2.2. Как заставить мир исчезнуть в тексте ..... | 211 |
| 2.2.3. Мораль басни.....                          | 216 |
| 2.2.4. «Ничто не существует вне текста».          |     |
| Правильное чтение .....                           | 218 |
| 2.3. Нестрогий реализм .....                      | 220 |
| 2.3.1. Пиво Серла .....                           | 220 |
| 2.3.2. Как делать слова из вещей .....            | 224 |
| 2.3.3. Проблемы с актом .....                     | 230 |
| 2.3.4. Проблемы с объектом.....                   | 240 |
| 2.3.5. Коррекция Смита .....                      | 247 |
| 2.4. Нестрогий текстуализм .....                  | 251 |
| 2.4.0. Брак Деррида.....                          | 251 |
| 2.4.1. След .....                                 | 256 |
| 2.4.2. Регистрирование .....                      | 259 |
| 2.4.3. Запись .....                               | 260 |
| 2.4.4. Идиома.....                                | 271 |
| Эпилог .....                                      | 281 |
| Примечания.....                                   | 283 |
| Библиография .....                                | 329 |